भास्कर

ड्रोन एक्सपो | टेक्नो हब में देशभर के 50 से अधिक ड्रोन में से कुछ का सरकार ने लिया ट्रायल

वेयर हाउस से ग्रोसरी और फूड पहुंचाएगा ड्रोन और 80 किलोमीटर की रफ्तार से उड़कर जिंदगी भी बचाएगा

सिटी रिपोर्टर | दुर्गम और पहाड़ी इलाके जहां आम इंसान पहुंचना संभव नहीं होता है वहां अब ड्रोन की मदद बीज गिराए जा सकेंगे और फिर जंगल हरा-भरा होगा। इनकी क्षमता एक साल में एक लाख तक बीज गिराने की है। वहीं एक ड्रोन ऐसा भी था जो बाढ़ या संकट के समय लोगों जान बचाएगा। यह तेज उड़ान भरते हुए एक बार में डेढ किलोमीटर के दायरे में लाइफ सेविंग इक्वीमेंट लोगों तक पहुंचाएगा। फूड डिलीवरी कंपनीज की मदद अब ड्रोन कर रहा है। ये उनके वेयर हाउस से ग्रोसरी और फूड उनके मार्केट सेंटर तक पहुंचाएगा। कुछ इस तरह के खास ड्रोन गुरुवार टेक्नोहब में नजर आए। इस मौके पर मैन्यूफेक्चरर टेक ईगल के फाउंडर व सीईओ विक्रम सिंह मीना ने बताया कि कोविड दौर में हाइब्रिड ड्रोन से देश के विभिन्न हिस्सों में वैक्सीन व ब्लड सैम्पल को पहुंचाकर लोगों तक मदद पहुंचाई। झालाना डूंगरी स्थित टेक्नो हब में आयोजित 'ड्रोन एक्सपो-2022' का आयोजन सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के आईस्टार्ट की ओर से हुआ जिसमें देश के करीब 50 ड्रोन निर्माताओं ने हिस्सा लिया। इस मौके पर सूचना प्रोद्योगिकी और संचार विभाग के प्रमुख शासन सचिव अखिल अरोड़ा प्रदर्शनी देखने पहुंचे। आयुक्त संदेश नायक ने कहा, सरकार आगामी समय में ड्रोन खरीदेगी।

(कंटेंट : किरन कुमारी किंडो। फोटो : महेंद्र शर्मा)

झालाना की पहाड़ियों पर उड़ा लाइफ रेस्क्यू ड्रोन

20 मिनट चलेगा एक बार चार्ज होने पर। इसके नीचे फ्लड रेस्क्यू इक्विपमेंट्स लगे हैं

80 किमी रफ्तार से ड्रोन पानी में एक किमी के दायरे फंसे 3 लोगों को बचाने में सक्षम

15 किलो वजन वाले इस ड्रोन का साइज 4 बाय 2 फुट है, कीमत 16 लाख।

कम होते जंगलों में बीज छिड़केगा

35 किलो वजनी ये ड्रोन 100 मीटर की ऊंचाई सीड बॉल्स गिराएगा। इससे दुर्गम क्षेत्रों में ट्री प्लांटेशन में मदद मिलेगी।

25 लाख रुपये कीमत वाले इस ड्रोन से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के आसपास कैसूड़ा, नीम और छायादार वृक्षों के बीज गिराए।

जंगलों का सर्वे कर पेड़ों की गिनती करेगा ये ड्रोन

170 मिनट यानी 3 घंटे तक उड़ सकता है एक बार में। जंगलों में पेड़ों की गिनती की जा सकेगी।

7.5 किलो वजन वाला ये ड्रोन, 1.5 किमी की ऊंचाई तक उड़ सकता है, 20 किमी के रेडियस तक कम्यूनिकेट संभव।

ड्रोन्स को जैम कर सेना और पुलिस की मदद करेगा जैमर

02 महीने बाद हैलीकॉप्टर व एयरक्राफ्ट टेक्नोलॉजी पर बने ड्रोन कंपनियों के वेयर हाउस से ग्रोसरी व फूड सप्लाई करेगा।

4G आरएफ व सैटेलाइट पर काम करने वाले ड्रोन के सिस्टम फेल होने पर पैराशूट ऑटोमेटिकली खुल जाएंगे